IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709

THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

IGNOU

BANE-146

(हिन्दी माध्यम)

IMPORTANT QUESTION ANSWER

GUESS PAPER / EXAM NOTES

From Previous Year Papers

FOR MORE PDF 9485943709

Disclaimer for Guess / Sample Paper By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905: -

This PDF contains sample papers compiled from previous years' questions of the IGNOU It is intended to provide you with a general idea of the paper format and may cover some potential questions. However, it is important to note the following:

1. **No Guarantee of Exam Questions:** We do not guarantee that the questions presented in this sample paper will appear in your actual exams. The content is for practice purposes only.
2. **Book Study Recommended:** To achieve good marks in your IGNOU exams, it is highly recommended that you thoroughly study the prescribed course materials and textbooks. Relying solely on this sample paper may not be sufficient for exam success.
3. **Use as a Study Aid:** Use this sample paper as a supplementary study aid to test your knowledge and exam preparedness.
4. **Self-Responsibility:** Your performance in exams is your responsibility, and success depends on your dedication to studying the course material.

We wish you the best of luck with your IGNOU exams. Thank you for using this sample paper as part of your preparation. **By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905**

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 2 of 41 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

प्रत्येक 400-500 शब्द

क्यू । - मूल निवासियों के अर्थ एवं परिभाषा पर संक्षेप में चर्चा करें।

उत्तर-

स्वदेशी लोग विशिष्ट जातीय या सांस्कृतिक समूह हैं जिनका एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से ऐतिहासिक संबंध होता है, जो बाहरी और अक्सर प्रभावशाली समाजों के आगमन और स्थापना से पहले का होता है। उनकी विशेषता उनकी अनूठी सांस्कृतिक प्रथाओं, भाषाओं, सामाजिक संरचनाओं और अक्सर उनकी पैतृक भूमि से गहरा आध्यात्मिक संबंध है। "स्वदेशी" शब्द का प्रयोग विश्व स्तर पर किया जाता है और इसमें अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया सहित विभिन्न महाद्वीपों में फैले समुदायों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

"स्वदेशी" शब्द लैटिन शब्द " इंडिजेना " से लिया गया है, जिसका अर्थ है "मूलनिवासी" या "अंदर से पैदा हुआ"। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि विभिन्न क्षेत्र और देश स्वदेशी लोगों को संदर्भित करने के लिए विभिन्न शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका में, "प्रथम राष्ट्र" या "मूल अमेरिकी" शब्द का प्रयोग अक्सर किया जाता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया में, उन्हें "आदिवासी" या "टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर" लोगों के रूप में संदर्भित किया जा सकता है।

स्वदेशी लोगों की परिभाषा का एक प्रमुख पहलू पूर्व-औपनिवेशिक और पूर्व-आबादी समाजों के साथ उनकी ऐतिहासिक निरंतरता है। ये समुदाय पीढ़ियों से अपनी पैतृक भूमि पर बसे हुए हैं, अद्वितीय संस्कृतियाँ, परंपराएँ और सामाजिक संरचनाएँ विकसित कर रहे हैं जो पर्यावरण से गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह शब्द किसी विशेष क्षेत्र के मूल निवासियों पर जोर देता है, बाहरी ताकतों द्वारा अपना प्रभाव डालने से पहले उनकी पूर्व उपस्थिति को स्वीकार करता है।

सांस्कृतिक विविधता स्वदेशी लोगों की एक परिभाषित विशेषता है। ये समुदाय भाषाओं, विश्वास प्रणालियों, कला और प्रथाओं की समृद्ध टेपेस्ट्री का प्रदर्शन करते हैं जिन्हें अक्सर मौखिक परंपराओं के माध्यम से पारित किया जाता है। विविधता उनके स्थानीय वातावरण और ऐतिहासिक परिस्थितियों के जवाब में स्वदेशी संस्कृतियों की अनुकूली प्रकृति को दर्शाती है। यह सांस्कृतिक समृद्धि उनकी पहचान का अभिन्न अंग है और उन्हें अन्य आबादी से अलग करती है।

भूमि मूल निवासियों की पहचान और अस्तित्व में एक केंद्रीय तत्व है। कई स्वदेशी समुदायों का अपने पारंपरिक क्षेत्रों से गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध है, वे भूमि को न केवल एक संसाधन के रूप में बल्कि अपनी पहचान और ब्रह्मांड विज्ञान के एक बुनियादी हिस्से के रूप में देखते हैं। भूमि के साथ संबंध में अक्सर टिकाऊ प्रथाएं, पर्यावरणीय प्रबंधन और सभी जीवित चीजों के अंतर्संबंध की समग्र समझ शामिल होती है।

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 3 of 41 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

स्वदेशी लोगों को ऐतिहासिक और चल रही चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जो मुख्य रूप से उपनिवेशीकरण, जबरन विस्थापन और भेदभाव के परिणामस्वरूप हुई हैं। पिछली कुछ शताब्दियों में यूरोपीय शक्तियों के नेतृत्व में उपनिवेशीकरण का दुनिया भर के स्वदेशी समुदायों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। बाहरी राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रणालियों को लागू करने के परिणामस्वरूप अक्सर स्वदेशी स्वायत्तता और जीवन के पारंपरिक तरीकों का क्षरण हुआ है।

स्वदेशी अधिकारों का उल्लंघन उनके अनुभव का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। पूरे इतिहास में, स्वदेशी लोगों को अपनी भूमि से बेदखली, जबरन आत्मसातीकरण और भेदभावपूर्ण नीतियों का सामना करना पड़ा है। ये अन्याय आज भी जारी हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आर्थिक अवसरों तक असमान पहुंच के साथ-साथ भूमि अधिकारों और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए चल रहे संघर्ष जैसे मुद्दों में प्रकट हो रहे हैं।

स्वदेशी लोगों के अधिकारों और कल्याण को संबोधित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन और आंदोलन उभरे हैं। 2007 में अपनाया गया स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा (यूएनडीआरआईपी), स्वदेशी अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक व्यापक ढांचे की रूपरेखा तैयार करता है। यह आत्मनिर्णय के अधिकार, पारंपरिक भूमि पर नियंत्रण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर देता है।

अंत में, शब्द "स्वदेशी लोग" विभिन्न समुदायों को विशिष्ट क्षेत्रों, विशिष्ट संस्कृतियों और बाहरी उपनिवेशीकरण से पहले के इतिहास से गहरे जुड़ाव के साथ समाहित करता है। उनकी पहचान उनकी पैतृक भूमि से जटिल रूप से जुड़ी हुई है, और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भाषाई विविधता, अनूठी परंपराओं और पर्यावरण के साथ समग्र संबंध की विशेषता है। ऐतिहासिक और चल रही चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, वैश्विक स्तर पर स्वदेशी लोग अपने अधिकारों का दावा करना, मान्यता, न्याय और अपने जीवन के अनूठे तरीकों के संरक्षण के लिए प्रयास करना जारी रखते हैं। अधिक समावेशी और न्यायसंगत दुनिया को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी अधिकारों की स्वीकृति और सम्मान आवश्यक है।

क्यू । - स्वदेशी लोगों की जनसांख्यिकीय स्थिति और वितरण का संक्षेप में परीक्षण करें।

उत्तर-

स्वदेशी लोगों की जनसांख्यिकीय स्थिति और वितरण दुनिया भर में काफी भिन्न है, जो इन समुदायों के भीतर संस्कृतियों, भाषाओं और इतिहास की समृद्ध विविधता को दर्शाता है। स्वदेशी लोगों को अक्सर पैतृक भूमि, विशिष्ट भाषाओं और पारंपरिक प्रथाओं से उनके अद्वितीय संबंध की विशेषता होती है। हालांकि स्वदेशी समूहों की विशाल संख्या और उनकी विविधता के कारण एक व्यापक अवलोकन प्रदान करना चुनौतीपूर्ण है, हम प्रमुख रुझानों और मुद्दों पर प्रकाश डाल सकते हैं।

वैश्विक वितरण: आर्कटिक से लेकर अमेज़न, प्रशांत द्वीप समूह से लेकर अफ्रीकी मैदानी इलाकों तक, हर महाद्वीप पर स्वदेशी लोग पाए जाते हैं। स्वदेशी लोगों की कुछ सबसे बड़ी आबादी भारत, चीन, मैक्सिको, पेरू और बोलीविया जैसे देशों में पाई जा सकती है, जबकि अन्य, जैसे आर्कटिक में इनुइट या न्यूजीलैंड में माओरी, का वितरण अधिक स्थानीय है। अनुमान है कि स्वदेशी लोगों की कुल वैश्विक आबादी 370 मिलियन से अधिक है, जो 5,000 से अधिक अलग-अलग समूहों से संबंधित है।

जनसांख्यिकीय चुनौतियाँ: स्वदेशी समुदायों को अक्सर अद्वितीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें गरीबी की उच्च दर, कम जीवन प्रत्याशा और स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा तक सीमित पहुंच शामिल है। जबरन विस्थापन, उपनिवेशीकरण और भेदभाव जैसे ऐतिहासिक अन्यायों ने इन असमानताओं में योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, भूमि की हानि, पर्यावरणीय गिरावट और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे मुद्दे कई स्वदेशी समूहों के सामने आने वाली चुनौतियों को और बढ़ा देते हैं।

सांस्कृतिक और भाषाई विविधता: स्वदेशी लोगों में संस्कृतियों और भाषाओं की अविश्वसनीय विविधता शामिल है। वैश्वीकरण, आत्मसात नीतियों और बहुसंख्यक भाषाओं के प्रभुत्व जैसे कारकों के कारण विलुप्त होने के खतरे के साथ कई स्वदेशी भाषाएँ खतरे में हैं। इन समुदायों

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 4 of 41 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

की पहचान और विरासत को बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, स्वदेशी भाषाओं और सांस्कृतिक प्रथाओं को पुनर्जीवित करने और संरक्षित करने के प्रयास जारी हैं।

शहरीकरण और प्रवासन: जबकि कई स्वदेशी लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहना जारी रखते हैं, शहरीकरण और प्रवासन की प्रवृत्ति बढ़ रही है। आर्थिक कारक, रोजगार के अवसर और बुनियादी ढांचे का विकास अक्सर स्वदेशी लोगों को शहरी केंद्रों की ओर जाने के लिए प्रेरित करते हैं । इस प्रवासन से सांस्कृतिक अनुकूलन, पहचान संबंधी चुनौतियाँ और गरीबी और भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ सकती है।

भूमि अधिकार और विस्थापन: स्वदेशी लोगों की परिभाषित विशेषताओं में से एक पैतृक भूमि से उनका संबंध है। भूमि अधिकार स्वदेशी संस्कृतियों और आजीविका के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं। हालाँकि, कई स्वदेशी समुदायों को संसाधन निष्कर्षण, कृषि और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं से अपनी भूमि पर खतरों का सामना करना पड़ता है। भूमि विस्थापन न केवल जीवन के पारंपरिक तरीकों को बाधित करता है बल्कि सांस्कृतिक विरासत के नुकसान में भी योगदान देता है।

राजनीतिक सशक्तिकरण: हाल के दशकों में, स्वदेशी अधिकारों की मान्यता और स्वदेशी समुदायों के सशक्तिकरण के लिए वैश्विक दबाव रहा है। स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा (यूएनडीआरआईपी) और अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उद्देश्य स्वदेशी लोगों के अधिकारों की रक्षा करना है, जिसमें उनके आत्मनिर्णय, भूमि और सांस्कृतिक संरक्षण का अधिकार भी शामिल है।

निष्कर्षत:, स्वदेशी लोगों की जनसांख्यिकीय स्थिति और वितरण विविधता, चुनौतियों और लचीलेपन की विशेषता है। जबकि ऐतिहासिक अन्यायों को दूर करने और स्वदेशी समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए वैश्विक प्रयास किए जा रहे हैं, उनके निरंतर अस्तित्व, सांस्कृतिक जीवन शक्ति और सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए बहुत काम किया जाना बाकी है। अधिक समावेशी और न्यायसंगत दुनिया को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी लोगों के अद्वितीय योगदान को पहचानना और उनका सम्मान करना आवश्यक है।

FOR MORE PDF-9485943709

ALL SOLVED ASSIGNMENT, GUESS PAPER, PROJECT -
HAND WRITTEN SCAN PDF, HARDCOPY BY POST
ORDER- ON WHATSAPP MSG- 8529719732, 99922-90905
OR VISIT- motherpublication.in / mothernotes.in

क्यू । - डर्मेटोग्लिफ़िक्स को परिभाषित करें । उपयुक्त रेखाचित्रों के साथ फिंगर डर्मेटोग्लिफ़िक्स का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर- _ डर्मेटोग्लिफ़िक्स उंगलियों, हथेलियों, पैर की उंगलियों और तलवों की त्वचा पर मौजूद लकीरों और खांचे के पैटर्न के वैज्ञानिक अध्ययन को संदर्भित करता है। ये अनूठे पैटर्न भ्रूण के विकास के दौरान बनते हैं और किसी व्यक्ति के जीवन भर काफी हद तक अपरिवर्तित रहते हैं। डर्मेटोग्लिफ़िक्स का अध्ययन अक्सर मानवविज्ञान, आनुवंशिकी, चिकित्सा और फोरेंसिक विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लागू किया जाता है।

फिंगर डर्मेटोग्लिफ़िक्स में, विशेष रूप से, उंगलियों पर पाई जाने वाली लकीरों, घुमावों और लूपों की जांच शामिल होती है। ये पैटर्न आनुवंशिक रूप से निर्धारित होते हैं और व्यक्तियों के बीच महत्वपूर्ण रूप से भिन्न हो सकते हैं, जिससे वे फोरेंसिक पहचान और आनुवंशिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में एक उपयोगी उपकरण बन जाते हैं।

फ़िंगरप्रिंट पैटर्न के तीन मुख्य प्रकार हैं: मेहराब, लूप और व्होरल।

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 5 of 41 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

1. **मेहराब:**
    - मेहराब तीन पैटर्नों में सबसे सरल है, जो उभरी हुई लकीरों की विशेषता है जो उंगली के एक तरफ से दूसरे तक बहती हैं।
    - इन्हें आगे सादे मेहराबों और तंबू वाले मेहराबों में वर्गीकृत किया जा सकता है। सादे मेहराबों में, लकीरें एक तरफ से प्रवेश करती हैं और केंद्र में थोड़ी सी वृद्धि के साथ दूसरी तरफ से बाहर निकलती हैं । तंबूदार मेहराबों के केंद्र में एक अधिक स्पष्ट शिखर है ।
2. **लूप्स:**
    - लूप्स की विशेषता उन लकीरों से होती है जो उंगली के एक तरफ से प्रवेश करती हैं, मुड़ती हैं और फिर उसी तरफ से बाहर निकलती हैं। ये सबसे आम फिंगरप्रिंट पैटर्न हैं।
    - लूप के दो मुख्य प्रकार हैं: रेडियल लूप, जहां पैटर्न अंगूठे की ओर बहता है, और उलनार लूप, जहां यह छोटी उंगली की ओर बहता है।
3. **भंवरे:**
    - व्होरल अधिक जटिल पैटर्न होते हैं जिनमें लकीरें होती हैं जो गोलाकार या सर्पिल आकार बनाती हैं। उन्हें सादे व्होरल, सेंट्रल पॉकेट व्होरल, डबल लूप व्होरल और एक्सीडेंटल व्होरल में वर्गीकृत किया जा सकता है।
    - सादे व्होरल में एक गोलाकार पैटर्न होता है, जबकि केंद्रीय पॉकेट व्होरल के केंद्र में एक लूप होता है । डबल लूप व्होरल में दो आपस में गुंथे हुए लूप होते हैं, और आकस्मिक व्होरल में विभिन्न पैटर्न का संयोजन होता है।

डर्मेटोग्लिफ़िक्स के अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुप्रयोग हैं:

1. **फोरेंसिक विज्ञान:**
    - उंगलियों के निशान प्रत्येक व्यक्ति के लिए अद्वितीय होते हैं, जो उन्हें पहचान उद्देश्यों के लिए आपराधिक जांच में अमूल्य बनाते हैं।
    - व्यक्तियों के मिलान और पहचान के लिए उंगलियों के निशान के पैटर्न और सूक्ष्म बिंदु (अद्वितीय बिंदु) का उपयोग किया जाता है।
2. **आनुवंशिकी:**
    - कुछ स्थितियों के लिए वंशानुगत पैटर्न और संभावित आनुवंशिक मार्करों का अध्ययन करने के लिए आनुवंशिक अनुसंधान में डर्मेटोग्लिफ़िक्स का उपयोग किया गया है।
    - ऐसा माना जाता है कि फिंगरप्रिंट पैटर्न की विरासत में आनुवंशिक घटक होता है।
3. **चिकित्सा अनुप्रयोग:**
    - कुछ चिकित्सीय स्थितियाँ और सिंड्रोम विशिष्ट डर्मेटोग्लिफ़िक पैटर्न से जुड़े होते हैं।
    - शोधकर्ता और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर संभावित आनुवंशिक या विकास संबंधी असामान्यताओं की पहचान करने के लिए फिंगर डर्मेटोग्लिफ़िक्स का उपयोग कर सकते हैं।

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU MOTHER PUBLICATION - ASSIGNMENTS & GUESS PAPERS & PYQ SOLVED PDF

INDIA'S NUMBER 1 STUDY MATERIAL PROVIDER

यह केवल एक सैंपल पीडीएफ है।

यह केवल Sample PDF है। पूरी Solved Assignment या Guess Paper PDF खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

या

WhatsApp पर मैसेज करें।

WHATSAPP ONLY: +91 9485943709

WHATSAPP ONLY:: +91 9992290905

1. Solved Assignment Visit -:: https://motherpublication.in/

2. Pyq Solved Guess paper Visit:-: https://mothernotes.in/

Mother Publication • IGNOU Study Resources